Pimpri Chinchwad Education Trust's
S.B. PATIL COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE, RAVET
Sr. no. 110, Gate No 1, Ravet, Pune- 412101
www.sbpatilcollege.com, email-sbpc.science@gmail.com
UDISE NO: 27252001412 College Index No: J.11.16.066

"नए शिखर की ओर हिंदी"

हिंदी साहित्य के एक महानसाहित्यकार कवि भारतेंदु हरिश्चंद्र ने बहुत समय पहले कहा था कि-------

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति की मूल

बिन निज भाषा ज्ञान के ,मिटैन हिय को शूल ||

अर्थात यदि आपकी मात्र भाषा की उन्नति हो रही है तो आप हर क्षेत्र में आगे जा रहे हो और अगर आपकी भाषा का विकास नही हो रहा है तो आप आगे नही बढ़ रहे हैं , आपकी संस्कृति का विकास नही हो रहा है , आपकी संस्कृति सभ्यता पीछे जा रही है अर्थात आप इस विकास की दौड़ में आगे नही पीछे जा रहे हो |

(महादेवी वर्मा)

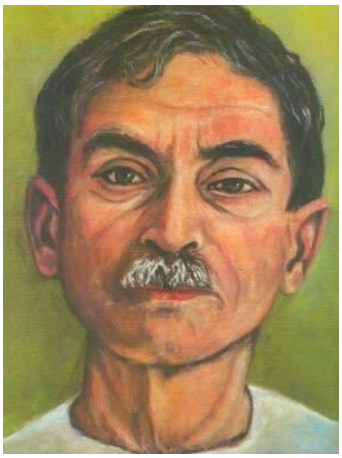

(मुंशी प्रेमचंद)

(सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

(हरिवंश राय बच्चन)

भारतेंदु हरिश्चंद्र की बातों से सीख लेते हुए हम कह सकते हैकि हिंदी की विकास यात्रा में पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलेहै | वाकई हिंदी अब अपने लिए एक नई क्षितिज तलाश रही है | आज भी देश (के एक हिस्से को हिंदी बेल्ट कहा जाता है क्यों? क्या यह भाषा सिर्फ उत्तर की होकर रह गई है | शायद इसी एहसास को दिखाने के लिए "हिंदी दिवस " का आयोजन किया जाता रहा है ,

जयशंकर प्रसाद

लेकिन यह भ्रम अब टूट रहा है और बदल रहा है। २० साल पहले जब यह सुनने को मिलता था हिंदी में– **" मिले सुर मेरा तुम्हारा तो यह सुर बने हमारा "** यह पूरे देश को जोड़ने की बात करता नजर आता था | तभी से हिंदी के लिए लोगो का नजरिया बदला है |

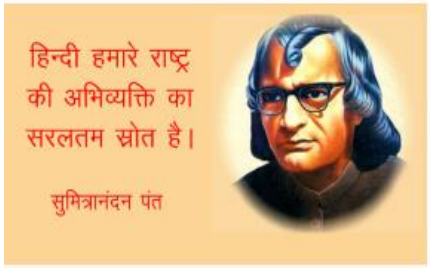

भारत देश के विश्वप्रसिद्ध नेताओं ने हिंदी का महत्व बखूबी समझा और उसे बहुत सम्मान दिया है जैसे **स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी, लाल बहादुर शास्त्री** इत्यादि|श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने एक बार संयुक्त राष्ट्र की बैठक में हिंदी में इतना प्रभावशाली भाषण दिया था जिसको विश्व में सभी सुनने वाले लोग स्तब्ध रह गए थे | वर्तमान में भारत के **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी** ने हिंदी का महत्त्व दुनिया को बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी, उनके भाषण हमेशा हिंदी में रहते है चाहे वो कोई भी राज्य या देश में जाए| हिंदी भाषा इतनी प्रभावशाली है की आज दूर देश से लोग हिंदी पढ़ने भारत आते है|

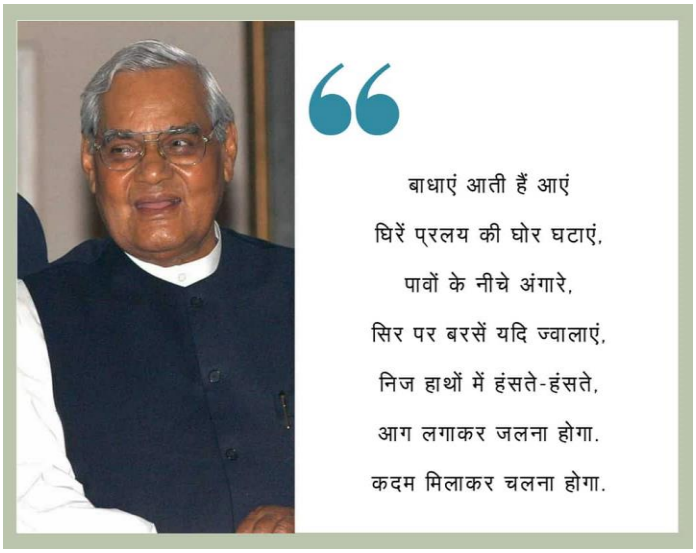

पिछले कुछ वर्षो में हिंदी का स्तर काफी बढ़ा है जिसमे श्री नरेंद्र मोदी जी का बहुत बड़ा योगदान है| पर फिर भी हिंदी का स्तर उस स्थान पे नहीं है जहाँ उसे होना चाहिए था, इसके लिए हमे अपनी शिक्षा व्यवस्था में काफी सुधार करने पड़ेंगे| भारत में हिंदी के लेखकों ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है जिसमें कई प्रसिद्ध लेखक,कवि ,गीतकार और साहित्यकार को आज भी उनके कार्य के लिए हमेशा याद किया जाता है जिसमें कालिदास, आर्यभट, कबीर, मुंशी प्रेमचंद , हरिवंश राय बच्चन, आनंद बक्शी, समीर अनजान, गुलज़ार, रविंद्र जैन,कुमार विश्वास,शैलेश लोढ़ा ये सब वो नाम है जिनकी तारीफ़ के लिए हिंदी के सभी शब्द कम पड़ जाए|

आज हमारे यहाँ युवा वर्ग की इतनी बड़ी संख्या है कि हम उन्हें नजर अंदाज नहीं कर सकते | उन तक हिंदी की पहुँच बनाने के लिए हमें उनकी ही तरह की हिंदी का प्रयोग करना होगा | जहाँ मुगल - ए -आजम फ़िल्म के संवाद आज के युवा वर्ग को भले ही इतने सहज नहीं लगे लेकिन रंगदेबसंती के युवा संवाद उनकी पसंद के होंगे | मुन्नाभाई एम बी बी एस के संवाद मुंबईस्टाइल की हिंदी का प्रतिनिधित्व करते है | बहरहाल , आज हिंदी का भविष्य हमारी युवा पीढ़ी के के हाथों में है | हिंदी रूपी बगिया में अपने तरिके से हिंदी की बागबानी कर हिंदी को एक नया शिखर प्रदान कर रहे है|क्योंकि युवा वर्ग भी अब तक समझ चुका है कि यदि देश की भाषा की उन्नति (विकास) नहीं होगा तो देश का भी विकास नहीं होगा | हमें सिर्फ अपनी मातृभाषा की ममता को समझने की,उसके अपनत्व को अपने में समाहित करने की जरूरत है क्योंकि–

" राष्ट्र गगन के मस्तक पर ,

सदियों से अंकित बिंदीहै ,

यह सबकी जानी पहचानी ,

भारत की भाषा हिंदी है | "

एस. बी. पाटील कनिष्ठ महाविद्यालय

हिंदी – विभाग

साक्षी विवेक पाण्डेय